

## 53-Man ki Shanti ke Dwara Beemariya Samapt – B.K. Suraj Bhai

ओम शांति,

बहोत गुह्य और सुंदर टॉपिक है मालुम है क्या है? पॉवर ऑफ साइलेंस और पीसफुल माइंड । हमें अपने माइंड को पीसफुल बनाना है, साइलेंस माइंड बनाना है । रात्रि का समय है और टॉपिक बहोत गुह्य है । तो हम इसको इस ढंग से चर्चा में लायेंगे । क्या आपको कुछ ऐसी विशेष चीजे ना केवल जानने को मिल जाये लेकिन आपके जीवन की धारा बदल जाए, आपके चिंतन की शैली बदल जाए, और जीवन की रफ्तार कुछ और हो जाये । हर मनुष्य जीवन में सफलता चाहता है । वोह चाहता है उसका पारिवारिक जीवन मधुर संबंधो से भरपूर हो, येही चाहते है ना? उसका प्रोफेशनल लाइफ sucessfully, बिना किसी विघ्नो से, सहज भाव से ऐसा लगे जैसे भाग्य उसे साथ दे रहा है समय उसे साथ दे रहा है ऐसे चले ।

हम सभी को जानना चाहिए की इस संसार की सब से बड़ी शक्ति कौनसी है? **मनकी शक्ति** । यदपि हमें विज्ञान की शक्ति आज हमें बहोत विशाल रूप में दिखाय दे रही है लेकिन उससे भी बहोत बड़ी शक्ति मन की शक्ति है । और मन को अगर साइलेंट कर दिया जाए । यानी **मन के सोचने की स्पीड को स्लोडाउन कर दिया जाए तो इसे ही कहते है साइलेंस पॉवर** । क्यूँ इसे साइलेंस पॉवर कहते है जरा सा ध्यान देंगे - जो कुछ हम सोचते है आत्मा यहाँ बैठ कर मन के द्वारा सोच रही है । नोर्मल रूप से हर मनुष्य में हर मिनट में २० से २२ विचार उत्पन होते है । जब स्पीड बढ़ जाती है मनुष्य तention में हो काम का दबाव हो तो यह स्पीड ३० से ४० तक पहुँच जाती है । इसको स्लो कर देना २० से १५ और १५ से १० । तो क्या होता है हम जो कुछ सोचते है उसकी तरंगे चारो और फ़ैल रही है । जिसको इंग्लिश में कहते है ओरा और हिंदी में कहते है आभामंडल, प्रभामंडल । यह हमसे निरंतर बन रहा है चारो और अगर मन की स्थिति स्लो है, अगर मन में बहोत पावरफुल थॉट्स है, अगर मन में बहोत सुंदर विचार उठ रहे है तो यह चारो और फ़ैलने वाली एनर्जी बहोत पावरफुल हो जाती है । इसे साइलेंस पॉवर कहते है ।

अगर मन में बहोत विचार है तो यह एनर्जी वीक होती है, कम इफ़ेक्टिव यह दूर दूर तक भी नहीं जाती, हमारे पास पास तक रहती है और अगर हमारे मन में बहोत पावरफुल थॉट्स है तब यह एनर्जी दूर दूर तक फ़ैलती है, किसीकी हजारो किलोमीटर भी फ़ैलती है, किसीकी सारे संसार तक भी फ़ैल सकती है । यह है साइलेंस पॉवर के बारे में ब्रीफ नॉलेज ।

तो मुख्य चीज है हमें अपने मन को शांत करना है । अब मैं आपको स्व-चिंतन की ओर ले चलता हूँ । आप अपने से बात करेंगे - आज-कल यह बहोत देखने में आ रहा है ।

- i) मेरा मन असंतुष्टता के कारन परेशान तो नहीं रहता?
- ii) मेरा मन पास्ट के विचारो के कारन परेशान तो नहीं रहता?
- iii) मेरा मन किसीसे बदला लेने की इच्छा के कारण सदैव गरम तो नहीं रहता?
- iv) मेरा चित्त क्रोध के कारण बहोत भटकता तो नहीं?
- v) मेरा मन बिना मतलब ही तो परेशान नहीं रहता?

यह पांच चीजे आपको गिनाई चेक करें इसको । हम पास्ट में तो नहीं रहते? किसी ने हमारे साथ कुछ बुरा किया है उसे हम बदला लिए बिना सुखी नहीं होंगे, जब तक उसे मजा ना चखा दे हमारा चित्त शीतल नहीं होगा । यह फीलिंग्स ही तो हमने नहीं भरली है? अगर यह भर लिया है किसी के लिए क्रोध भर लिया है, नफरत भर लिया है, इर्षा द्वेष भर लिया है तो हमारा चित्त हमारा मन हमेशां है भटकता रहेगा । और हमें जानना चाहिए, अटेंशन दे, जितना यह हमारा मन भटकेगा हमारी शक्तियां नष्ट होंगी, सफलता का मार्ग अवरुद्ध होंगा ।

चाहे आप स्ट्रुडेंट है या, जज है, या गृहिणी माता है हर व्यक्ति जीवन को सुखी बनाना चाहता है सफलता की और ले जाना चाहता है और **सफलता का बिज है मन को शक्तियों से भरपूर करना** ।

मेरे पास रोज फ़ोन आते है कम से कम ५० तो समस्यायों के होते है । जिसमे में देखता हूँ की वर्तमान के समय लोगो की नेगेटिविटी बहोत तेज हो गयी है । हर व्यक्ति नेगेटिव बहोत ज्यादा सोचता है । अपने बारे में न सोच के दुसरो के

बारों में सोच रहा है इससे उसकी आंतरिक शक्तियां नष्ट होती जा रही हैं। वोह धर्म का फील्ड क्यूँ ना हो चाहे वोह योग का फील्ड क्यूँ ना हो उसका मार्ग कथनायियाँ से बढ़ता जा रहा है। तो सभी चेक करें यहाँ बैठ कर अपने पर एक नजर डाले हमारा चित्त शांत रहता है या उसकी भटकन बढ़ती जा रही है। थिक है विचार, करेंगे सभी चेक नजर डाले अपने पर हमारा चित्त शांत है या नहीं ? कईयों का चित्त यहाँ आकर शांत हो गया होगा वोह बहोत लकी है। लेकिन कयिओं का चित्त शांत होता नहीं परेशानियों में रहता है कुछ न कुछ मन में उलझन बनी रहती है। जो मेने पांच चीजे आपको गिनाई अपने को मुक्त करें उससे।

**पास्ट को बदलने की शक्ति संसार में किसी के पास नहीं है इसीलिए जो व्यक्ति पास्ट की घटनाओ से दुखी रहते हैं, जो व्यक्ति पास्ट की घटनाओ से गरम रहते हैं रिर्वेजफुल रहते हैं उनका भविष्य भी उज्वल नहीं होता। इसीलिए एक बहोत सुंदर स्लोगन आप अपने पास लिख लें - हम पास्ट की कडवाहट से अपने वर्तमान को विषेला ना बनाये।** बहोत काम आएगी यह बात आपको पास्ट इस पास्ट वोह पूरा हो गया। अपने मन को सम्झादे उसको बदल ने की शक्ति किसी में नहीं है लेकिन हमारे में शक्ति है उसके प्रभाव से दूर रहने की। पास्ट की घटनाओ को बदला नहीं जा सकता उसकी इफेक्ट को नुत्रलाइज़ कीया जा सकता है और यह कर सकते हैं हम अपने सब-conscious माइंड से। पसंद है? सहमत है आप?

खुश करें अपने को। मैं कभी कभी साधारण लोगो को देखता हूँ जिनके पास बहोत धन नहीं जिनके पास बड़ी पद पोजिसन नहीं लेकिन उन्होंने मॅटेलिटी बना ली है की हमें खुश रहना है। छोटी छोटी बातों में अपने खुशी के खजाने को नष्ट नहीं करना है। बहोत खुश रहते हैं वोह और कई खजाने वाले लोग खजाने की भागदोड़ में खुशी के खजाने से वंचित रहते हैं। हम यह मान ले खुशी भी बहोत बड़ी दौलत है, है या नहीं? अगर बहोत सारे खजाने इकठ्ठा कर के भी खुशी को नष्ट कर ली तो मनुष्य जीवन में संतुष्ट नहीं हो पायेगा। इस पर आप ध्यान देंगे।

और एक में आपका ध्यान दिलाऊँ संसार में एक बहोत बड़ी चीज चल रही है मनुष्य के पास बदले की भावना। आप स्वयं को इससे मुक्त करें। मेने एक बार क्लास करायी है इस पर वोह सारी क्लास क्षमा भाव पर थी बाद में दो व्यक्ति मेरे पास आये की हमारे परिवारों में हमारे समाज में पिछली तिन पीढ़ियों से बदले की कार्यवाही चल रही है। कभी उन्होंने हम से बदला लिया था दूसरी पेढ़ी में हमने उनसे बदला लिया अब तीसरी पेढ़ी में वोह हमसे बदला ले रहे हैं हमारे किसी के भी मन में शांति नहीं है और बदले की चैन कहीं दूटने का नाम नहीं ले रही।

तो इसको तोडना है हमें क्षमा भाव से। संस्कृत में तो बहोत अच्छी बात है इस पे क्षमा विरश्य भूषण। जो शक्तिशाली व्यक्ति है जो मोस्ट पावरफुल व्यक्ति है वही दुसरो को क्षमा कर सकता है। जो विक है वोह हमेशा बदला लेने की सोचेगा। यह आंतरिक शक्ति को नष्ट कर देती है इसीलिए जिससे भी आप बदला लेना चाहते हो पांच ले ले लेंगे? पांच पांच तो हरेक के पास होंगे ना इससे बदला लेना है? दस भी हो सकते हैं किसी के। इसने मुझे चार गलत शब्द बोले थे, इसने मेरा अपमान किया था जब तक इसको दस ना बोलू तब तक मन सुख नहीं पायेगा। क्षमा कर दे। क्षमा करने से अपनी उनत्ती बहोत होती है। यह केवल कमजोरी नहीं है। लोग कई इतिहास को देख के सोचते हैं पृथ्वीराज ने इसको क्षमा किया फलाने राजा ने इसको क्षमा किया फिर उन्होंने उनको बहोत कष्ट दिया। वोह इतिहासिक बातें अलग हैं हम बात कर रहे हैं अपने अंदर स्परिचुअल पाँवर बढ़ाने की। क्षमा की एक सीमा अवश्य होती है तिन बार क्षमा कर देना चाहियें। मैं आपसे कह रहा हूँ एक ही बार करदें आज अपने चित्त को निर्मल कर दें। जिसने हमसे जो भी किया हम उन्हें क्षमा दान देते हैं। सुखी हो जाओ हम भी सुखी तुम भी सुखी और इसका परिणाम देखो आपकी इनर पाँवर बढ़ेगी और सफलता का मार्ग खुलेगा।

यह जो मन की नेगेटिव एनर्जी है यह हमारे सफलता के मार्ग को रोकती है। यंग लोग भी दिख रहे हैं मुझे सभा में जो भी स्टूडेंट है वोह इस बात पर विशेष ध्यान दें। हमने सोच लिया है success is the key to happiness में इस को चेंज करता हूँ happiness is the key to success। मेरे पास इन सब के बहोत अच्छे एक्साम्पल रहते हैं जहाँ लड़के ने M.Tech कर लिया M.B.A. कर लिया और जॉब नहीं मिल रही है। मैं इन्हें छोटे छोटे प्रयोग सिखाता हूँ मन की शक्तियों के और आज तक के यह अनुभव है जिसने भी किये हैं २१ दिन में वोह सफल हो गए। तो हमारे पास बहोत बड़ी शक्ति है। आप

अपनी शक्तियों को पहचाने आप को अपनी समस्याओं के लिए दूसरो की और देखने की जरूरत नहीं है। अगर समस्या पावरफुल है तो आप उससे अधिक पावरफुल है जान ले इस सीक्रेट को आप।

किसके बच्चे है हम सब ? बोलो जरा हम किस के बच्चे है ? भगवान् के बच्चे है। शेर का बच्चा क्या होगा? शेर। कहेगा की दस कुत्ते आगये थे में तो भाग आया, कहेगा कभी? हम सर्व-शक्तिवान के बच्चे है कौन होंगे? आप बोलो? मोस्ट पावरफुल। हम उसको नाम देते है मास्टर ऑलमाइटी। If he is almighty we are master-almighty। इसे स्वीकार करो हम कमजोर नहीं है जो छोटी छोटी मछर, मखियों जैसी समस्याओं से घभरा कर परेशान हों जाये उसी को नष्ट कर दे। अपने मन को इतना नेगेटिव कर दे की अपना जीवन खुद को ही पसंद ना आये? वी आर मोस्ट पावरफुल, मास्टर सर्व-शक्तिवान है यह बात बहोत अच्छी तरह realise करने की है।

बाप-माँ के कुछ गुण संस्कार बच्चो में आते ही है। आज की बात अलग हो गयी है थोड़ी। नैचुरली भी माँ-बाप के कुछ गुण, संस्कार, शक्तियां, बैलेंस, बुद्धि बच्चो में आते ही है। भगवान् के भी बहोत सारे गुण संस्कार हमारे अंदर है उनको हमने negativity के कारन दबाया हुआ है उन्हें हमें फिर से reactivate करना है। हम कर पायेंगे, हमारे पास बहोत शक्तियां है। देखो में छोटे छोटे प्रयोग लोगो को सिखाता हूँ समस्याओं से कोई मनुष्य विचलित हो रहा है मेने उसे छोटी से प्रैक्टिस सिखाई की सवरे आँख खोलो सात बार याद करना में मास्टर सर्व-शक्तिवान हूँ इस समस्या से अधिक पावरफुल हूँ। चेंज इन माइंड। में इस समस्या से अधिक पावरफुल हूँ और कुछ ही दिनों में समस्या खतम हो गयी आपे ही। हमारे मन में शक्तियां है अनेक समस्याओं को नष्ट करने की। हम केवल अपनी शक्तियों को activate करेंगे, कैसे करेंगे?

थोडासा अब इस बात पर। हमारे पास शक्तियां तो है क्यूंकि हम सर्व-शक्तिवान के बच्चे है उसकी अवेरेनेस उसकी जानकारी बहोत मनुष्यों को नहीं है। बहोत माना ९९.९९ परसेंट को। क्यूंकि भौतिकता जो हमारे सामने है यह भौतिकता की भाग दौड़ में, धन के पीछे भागने में और विज्ञान की चका चौंध में हम अपने को तो बिलकुल भूलते जा रहे है। और येही कारण है की सब कुछ भूल रहा है बहोत सारे युवको को हम समझाते है एक सभा थी पूना में ७०० युवक थे हिंदी तो कोई बोलता ही नहीं था तो मेने उससे पूछा have you heard name of GITA ? गीता का नाम सुना है? उनमें से आधो को तो पता ही नहीं था की गीता भी कुछ होती है।

हमारे यूथ में सब कुछ भूलता जा रहा है और उसके दुष्ट परिणाम हमारे सामने आ रहे है उसका पता आज कल के बुद्धिमान मनुष्यों को नहीं है। इनका पता उन्होको बिलकुल ही नहीं है की मन को नेगेटिव करने का परिणाम दस पंद्रह सालो में ही बहोत भयानक होता है। मुझे यह टॉपिक बहोत अच्छी तरह विष्टार करना होता है। लक्चर में ही लेकिन में इसको थोड़े में ले चलता हूँ आपके पास। समस्याएं जीवन की क्या है? बहोत अच्छी चीज याद रखेंगे problems are nothing but the creasion of weak mind **समस्याएं कमजोर मन की रचना है।** एक बहोत सुंदर रहस्य में आपके सामने रख रहा हूँ आप को काम आएगा जो कुछ हम सोचते है उसके vibrations चारो और फैलते है और यह प्रकृति से मिक्सउप होते है प्रकृति जो हमें दिख नहीं रही है उनसे इनका मिलन होता है और रिएक्शन होता है। और जो हमने सोचा उसी अनुसार सब कुछ हमारे पास वापिश आ जाता है।

उदाहरण एक छोटासा दूंगा एक व्यक्ति सोचता है में तो बहोत गरीब हूँ, मेरा भाग्य अच्छा नहीं, पता नहीं भगवान् ने कैसे मेरा भाग्य लिख दिया। वोह उसके sab-conscious माइंड में भर गया है में तो गरीब हूँ। जिससे मिलेगा तो येही कहेगा में तो गरीब हूँ। तो उसके यह नेगेटिव विचार प्रकृति में जा रहे है, रिएक्शन हो रहा है और गरीबी वापिश आ रही है जो सकल्प हम बार बार करते है उसको हम क्रिएट करते है, उसका हम निर्माण करते है। आप इसको जीवन को फार्मुला बना दे, बहोत काम आएगा आपके। आपके पास कोई केस है और आपके मन में बार बार यह विचार आ रहे है यह तो हम हार जायेंगे तो क्या होगा? आप निमंत्रित कर रहे है उस हार को तो हार जायेंगे। जीवन के हर फील्ड में यह बिकुल यूनिवर्सल लॉ है इसको कोई काट नहीं सकता। तो अपने संकल्पों को सुंदर बनाये।

में इसमें एक बात और जोड़ दूँ मन की दो शक्तियां conscious mind & sub-conscious mind कई और भागो में भी बांटा है मनोविज्ञानीओने हम केवल इस दो की चर्चा करेंगे हिंदी में चेतन मन और अचेतन मन में बहोत सहज तरीके से

बताऊँ तो जिससे हम सोचते हैं वोह बाह्य मन और आंतरिक मन की में चर्चा करूँगा। आप सभी को ख्याल हो मन जितना शांत होगा बीमारियाँ उतनी ही समाप्त हो जाएगी। मेरे पास कितने उदाहरण हैं जिसमें लोगो को दस दस बीमारियाँ थी। दस दस गोली तीनो टाइम खाते थे और उन्होंने अपने मन को शांत और प्रशन्न किया गोलियां छुट गयी।

आपकी सभा से एक बहने कल मेरे पास आई उसने इतना अच्छा अनुभव सुनाया मैं भी उसको सुनके आनंदित हो गया। इतनी भयानक बीमारी डॉक्टर्स ने डिकलेअर कर दी थी कैंसर पुरे बाँडी में पानी भर गया है और कहा तुरंत भर्ती कर बहोत देर कर दी तुमने तिन चार डॉक्टरो के पास गयी थी। वोह योग अभ्यास करती थी योग अभ्यास में उसे उपर से टच हो रहा है कुछ भी नहीं है पांच बार आई कुछ भी नहीं है और इसने २१ दिन मैडिटेशन किया और जब कुछ दिन बाद चेक उप कराया तो उसके पति को कोई बीमारी थी ही नहीं डॉक्टर कह रहे थे कहाँ चली गयी उसकी बीमारी? उसने मुझे आधा घंटा सुनाया अपना अनुभव कितना अच्छा हुआ। तो मन की शक्ति बाँडी को भी प्योर करने में बहोत बड़ी भूमिका निभाती है।

मन अशांत है तो अनेक बीमारियाँ हैं, मन को प्रसन्न कर दे शांत ही नहीं केवल शांत करे प्रसन्न करे एनर्जेटिक करें अनेक बीमारियाँ चली जायेगी। तो हमारे पास जो मन की शक्ति है मैं आपको उसका यूज बता देता हूँ और कल से ही आप इसका यूज प्रारंभ करें तो हमारी यह चर्चा बहोत सार्थक हो जाएगी और मैं तो कहूँगा आपका यहाँ आना भी सफल हो जायेगा। तो हमारा जो sub conscious माइंड है देखिये मन ही है उसके दो तरीके हैं काम करने के जो हम निरंतर सोचते हैं यह conscious mind और जब हम नहीं सोच रहे हैं जब हम सो जाते हैं तब जो हमारा मन चलता है वोह है sub conscious mind। सिंपल launguage में जब बाह्य मन शांत हो जाता है तब आंतरिक मन एक्टिवेट हो जाता है। और हमारे अंतर मन में हमारी ९० परसेंट शक्ति रहती है। एक आम व्यक्ति भी बहोत शक्तिशाली होता है उसकी ९० परसेंट शक्ति उसके अंतर मन में रहती है और जो लोग राजयोग का अभ्यास करते हैं यानि उनका लिंक परमात्मा से है वोह तो ईश्वरीय शक्तियों से भरपूर रहते हैं उनकी अंतर मन की पाँवर बहोत ज्यादा रहती है।

तो उसके दो प्रयोग आपके सामने है रात को जब नींद आ रही हो तब कर लेना। जब नींद बिलकुल आने को होती है तब हमारा अंतर मन जग जाता है बाह्य मन सो रहा है हमारा मन शांत हो रहा है हम केह रहे हैं हमें नींद आ रही है। अंतर मन जग गया इसका सबसे अच्छा प्रूफ होता है जब हमें बहोत गहरी नींद आती है तो उठके हम कहते हैं बहोत गहरी नींद आई बड़ा सुख मिला आज कौन देख रहा था? हमारा अंतर मन। तो रात को हमारी बाँडी के लिए हमारा अंतरमन सुप्रीम तत्व है। ध्यान देंगे आप सभी रात को हमारे अंतरमन में हमारी बिमारियों को थिक करने की मैक्सिमम पाँवर है। हम रात को सोते हुए हमारे sub-conscious mind को कमांड दे दे। सिंपल launguage में कुछ विचार दे कर सोये। अगर आपको हाई ब्लड प्रेशर है आप पांच बार सच्चे मन से संकल्प करें मेरा ब्लड प्रेशर नोर्मल हो गया है। हो गया है यह launguage। मेरी diabetes नोर्मल है, हार्ट की बीमारी है तो मेरा हार्ट बिलकुल नोर्मल है तो sub conscious माइंड इसे एक्सेप्ट करलेगा की इनका ब्लड प्रेशर नोर्मल है पर देखेगा नोर्मल तो नहीं है तो वोह उसको सारी रात नोर्मल करेगा यह काम है sub conscious माइंड का रात को। इसको आप अपनी बिमारियों को थिक करने के लिए यूज कर सकते हैं।

अब सवेरे, सवेरे के दस मिनट इसलिए मोस्ट इम्पोर्टेन्ट है गोल्डन पीरियड ऑफ लाइफ है क्यूंकि उस समय हमारा sub conscious माइंड एक्टिव है। दस मिनट के बाद conscious माइंड चालू हो जाता है। अब यह जो दस मिनट है यह सब से सुंदर समय है हमारे लिए आप किसी भी कार्य के लिए, अपने परिवार के लिए, अपने भाग्य को चमकाने के लिए, सफलता प्राप्त करने के लिए, सब से सम्बन्ध सुधारने के लिए सवेरे उठते ही संकल्प करें।

i) मानलो आपको ऐसा अनुभव हो रहा है की प्रैक्टिस तो हम कर रहे हैं लेकिन सफलता बहोत नहीं मिल रही है तो आँख खुलते ही सात बार संकल्प करलो मैं मास्टर सर्व शक्तिवान हूँ। ऑलमाइटी की संतान में मोस्ट पावरफुल हूँ सफलता मेरा जनम सिद्ध अधिकार है। सफलता का द्वार खुल जाएगा।

ii) मानलो कभी ऐसे लगने लगा आपको की आपके जीवन में विघन आने लगे हैं, आप कुछ भी नहीं कर पा रहे हैं जहाँ भी हाथ लगा रहे हैं सोना भी मिटटी हो रहा है, जहाँ आप चलते हैं कोई ना

कोई रास्ता रोक लेता है तो सवेरे उठते ही सब से पहले यह संकल्प करना की मैं मास्टर सर्व शक्तिवान हूँ यह संकल्प सब से पहले करना है ताकि हमारी शक्तियाँ एक्टिव हो जाए और मेरा जीवन निर्विघन है। आप देखेंगे कुछ ही दिनों में आपके सारे विघन नष्ट हो जायेंगे।

iii) आपको लगता है मेरा भाग्य साथ नहीं दे रहा है आप उठते ही संकल्प कर लेना मैं बहोत बहोत भाग्यवान हूँ, भाग्य विघाता की संतान हूँ भगवान् की संतान हूँ मैं बहोत भाग्यवान हूँ। खुले मन से करलो मेरे जैसा भाग्य वान और कोई नहीं भाग्य बन जायेगा।

iv) आपके पास धन की कमी हो रही है मैं भगवान् का बच्चा हूँ मैं बहोत धनवान हूँ बहोत सुखी हूँ बहोत भाग्यवान हूँ आप देखेंगे धन का मार्ग खुल गया। यह बहोत बड़ी अंतर मन की फिलोसोफी है इसको आप यूज करें अपने जीवन में जो भी आप प्राप्त करना चाहते है इसे बहोत सहज भाव से कर सकते है।

मैं एक बहोत अच्छा अनुभव सब को सुनाता हूँ - मुंबई का एक बहोत अच्छा इंजिनियर जिसकी सैलरी भी डेढ़ लाख है परेशान हुआ मुझे फोन किया की मेरे तिन बॉस है मेरी प्रमोशन नहीं होने दे रहे है और मुझे जहां तहां परेशान कर रहे है मैं क्या करूँ? इतना बोलो उससे आप समज सकते है की उसने इतना बोलो की मुझे इतना गुस्सा आ रहा है की उन तीनों को मार डालूँ। मेने कहा तुम जानते हो मारने से क्या होगा? मारने के संकल्प को तो छोड़ ही दो तुम एक अच्छे मनुष्य हो तुम ने जान भी सिखा है। अपने क्रोध को शांत करो तो कहा क्या करूँ? मेने उसको एक छोटी सी टेक्निक बताई और कहा तुम २१ दिन करना मैं मास्टर सर्व शक्तिवान हूँ और वोह तीनों मेरे गुड फ्रेंड्स है सच्चे मन से कर लेना सवेरे पांच पांच बार उसने तिन ही दिन किया था और चोथे दिन फोन आया साब वोह तीनों तो मेरे गुड फ्रेंड बन गए। यह मेने आपको केवल इसीलिए सुनाया मेरे पास हजारो एक्सपीरियंस है लोगो के जो मुझे रोज क्यिओं को यह चीज सिखानी होती है। और इसके गुड फीडबैक सक्सेस फीडबैक पांच सात दिन के बाद किसी के २१ दिन के बाद आ जाते है।

बहोत अच्छी यह प्रैक्टिस है। कुछ मेरे अनुभव तो ऐसे है २०१२ के तिन माताओ के लड़के उनसे लडाई झगडा करके चले गए थे और पांच साल से बिलकुल कोई कांटेक्ट नहीं था और माताएं बहोत दुखी रहती थी उनको २१ दिन के प्रयोग कराएं तीनों ही केसेस में बच्चे घर वापिश आगये कुछ समय के बाद। तो हमारे पास बहोत शक्ति है बस मैं आप सब को इस अवेरनेस की और ले चलना चाहता हूँ। सभी अपनी शक्तियों को पहचाने, अपने मन को शुद्ध करे। अपने विचारो को जितना सुंदर बनायेंगे जीवन सुंदर होगा, परिवार सुंदर होगा, परिवारों में जो कडवाहट बढती जा रही है, पति पत्नी के बिच में जो विचारो का मिलन नहीं होता है, या माँ-बाप के बिच में आज कल जो रिलेशन बिगड़ रहे है, इनको आप अच्छी तरह मैनेज कर सकेंगे। और यह जीवन की यात्रा बहोत सुखद हो जाएगी।

लेकिन यह मैं अवश्य आपको याद दिलाऊंगा की ऑलमाइटी से अपना कनेक्सन जोड़ कर अपनी शक्तियों को बढ़ाते चले। तो आप से जो शक्तियां वायब्रेट आउट होंगी वोह बहोत सुंदर होंगी इससे संसार बदलेगा, इससे आप बदलेंगे आपके परिवार पर गहरा इफेक्ट होगा, आपके प्रोफेशन पर इसका गहरा इफेक्ट होगा, साथियों पर गहरा इफेक्ट होगा क्यूंकि आप जहाँ काम करते है वहां एक फॅमिलीअस फिलिंग अवस्य होनी चाहिए। तो मनुष्य को काम करने का सुख मिलता है ताकि जब आप कुछ भी कार्य कर के आये तो आप सम्पूर्ण संतुष्टता के साथ वापिश घर आये। कुछ परेशानी लेकर घर ना आये, कुछ टेंसन के साथ बचो को ना मिले ऐसा अंतर मन का प्रयोग मन की शक्ति को सही दिशा देना। तो कल सवेरे ही उठते कर लेना, पसंद है ना? आज रात को बीमारी पर और कल सवेरे से किसी एक बात पर कर लेना।

मानलो कोई समस्या छोड़ कर आये है और उसकी थोड़ी सी भी चिंता आपको सता रही है सवेरे उठते ही संकल्प करना मैं भगवान् का बच्चा मास्टर ऑलमाइटी हूँ यह बात थिक हो जाये, ऐसे हो जाये जो भी आपकी बात हो और हो सकता है कल ही आपको फोन आजाये सब थिक हो गया है, थिक है? पसंद है?

ओम शांति।

चले हम सभी ऑलमाइटी से कैसे कनेक्शन होता है संसार की सब से बड़ी फिलोसोफी राजयोग। जस्ट ऑलमाइटी

को आपको visualise करना है emagination और visualisation दोनों अलग है emagination उसे कहते है जो है नहीं और visualisation उसे कहते है जो है उसके बारे में हम देख रहे है सोच रहे है जैसे आसमान में सूरज है हम उसे visualise कर सकते है उसे कल्पना नहीं कहेंगे तो ऑलमाइटी निचे चित्र बना होंगा वोह पॉइंट से चारो और एनर्जी वायब्रेट हो रही है और फिल करेंगे यह एनर्जी मुझे निचे आ रही है । जैसे की यह एनर्जी मुझमे एक फाउंटेन के रूप में समां रही है । तिन मिनट बहोत एकाग्रता के साथ । मन इधर उधर जाएगा ही नहीं आपका जाए तो फिर उसको वहां एकाग्र कर देना और एनर्जी को फिल करना ।  
ओम शांति ।